Notes

ज्ञान और इसके पक्ष

ज्ञान क्या हैं।

ज्ञान एक ऐसा शब्द है। जो सामान्य रूप से प्रयोग किया जाता हैं। किसी विषय या वस्तु के सम्बन्ध में यथार्थ जानकारी करना ज्ञान का अर्थ बहुत व्यापक हैं। ज्ञान शब्द का प्रयोग किसी वस्तु या विषय के सम्बन्ध में उसके वर्णन से होता हैं। ज्ञान का प्रयोग भौतिक या आध्यात्मिक जगत दोनो के सन्दर्भ में किया जाता हैं। भौतिक जगत की वस्तुओं का ज्ञान उसके सम्पर्क में आने पर किया जाता हैं। यह ज्ञान इन्द्रियों के अनुभव पर दिया जाता हैं। इसी प्रकार आध्यात्मिक ज्ञान के सन्दर्भ में साक्ष्य तर्क, बुद्धि आदि का सहारा लिया जाता हैं। ज्ञान किसी तथ्य का अन्त: विश्लेषण करना तथा समझकर परिणाम निकालना ज्ञान हैं।

ज्ञान का प्रयोग मुख्य रूप सें दो अर्थो में किया जाता है।

1- व्यापक अर्थ में

2- संकुचित अर्थ में

व्यापक अर्थ में ज्ञान शब्द का प्रयोग यथार्थ तथा अयथार्थ के रूप में किया जाता हैं। इसके विपरीत संकुचित अर्थ में ज्ञान का प्रयोग मात्र बोधक होता हैं। ज्ञान की प्रकृति किसी विषय वस्तु को प्रकाशित करना जिस प्रकार के दीपक आस-पास की वस्तुओं को प्रकाशित करता है।

Notes

उसी प्रकार ज्ञान की वस्तुओं को प्रकाशित करता है।

ज्ञान का अर्थ :- सामान्य रूप से ज्ञान एक जटिल तथ्य के रूप प्रस्तुत किया जाता हैं। तथा यह स्पष्ट किया जाता ज्ञान प्राप्त करना सरल नही है। ज्ञान को प्राप्त करने में अनेक जन्म बीत जाते हैं। इस प्रकार की अवधारणा समाज में सामान्य रूप से प्रचलित है। ज्ञान की दूसरी अवधारणा के रूप में सामान्य वस्तु हैं इसे प्राप्त करने के लिए विशेष प्रयास करने की आवश्यकता होती हैं।

इस अवधारणा के आधार पर ज्ञान को दो भागों में बाँट सकते हैं।

(1) विशिष्ट ज्ञान
(2) सामान्य ज्ञान

विशिष्ट ज्ञान :- विशिष्ट ज्ञान के अन्तर्गत उस ज्ञान को सम्मिलित किया जाता है। जो आत्मा, परमात्मा, तथा आध्यात्मिक जगत से सम्बन्धित होता हैं। दूसरें शब्दों में इस ज्ञान का का सम्बन्ध परा लौकिक जगत में होता हैं। इस ज्ञान की प्राप्ति करनें के लिए व्यक्ति को जन्मोतक परिश्रम एवं साधना करनी पड़ती है।

सामान्य ज्ञान :- सामान्य ज्ञान के अन्तर्गत उन सभी भौतिक वस्तुओं का ज्ञान सम्मिलित होता हैं जिन्हें हम प्रत्यक्ष रूप में तथा शाब्दिक रूप में प्राप्त करतें हैं।

Notes

सामान्य ज्ञान एवं विशिष्ट ज्ञान की तुलना

सामान्य ज्ञान एवं विशिष्ट ज्ञान की तुलना को निम्नलिखित दो प्रकारो मे विभक्त करते है।

सामान्य ज्ञान :- 1- सामान्य ज्ञान का सम्बन्ध इस भौतिक जगत से होता है। जिससे हम जीवन यापन कर सके।

2- सामान्य ज्ञान सम्बन्धी विषय वस्तु को हम प्रत्यक्ष रूप से अपनी इन्द्रियों द्वारा देख सकते है।

3- सामान्य ज्ञान का सम्बन्ध लौकिक जगत से होता है। जो की हमारे व्यवहार से सम्बन्धित है।

4- सामान्य ज्ञान का प्रयोग प्रत्येक सामान्य व्यक्ति द्वारा किया जाता है। जैसे खेती करना, मशीन बनाना, मशीन चलाना आदि।

5- सामान्य ज्ञान को प्राप्त करने में कम समय लगता है तथा यह सरल होता है।

6- सामान्य ज्ञान का उपयोग मानव जीवन में सुख-सुविधाओं के किया जाता है।

7- सामान्य ज्ञान का प्रयोग, प्रवर्तन एवं वैज्ञानिकता की प्रधानता होती है।

विशिष्ट ज्ञान :- 1- विशिष्ट ज्ञान का सम्बन्ध आध्यात्मिक जगत से होता है। जिसकी हम कल्पना करते है।

2- विशिष्ट ज्ञान को हम आँखो से देख नही सकते वरन अनुभव कर सकते है।

3- विशिष्ट ज्ञान का सम्बन्ध परालौकिक जगत से होता है। जो सांसारिक जगत से परे हो

Notes

4- विशिष्ट ज्ञान का सम्बन्ध विशिष्ट व्यक्तियों से व्यक्ति द्वारा किया जाता है जैसे - योग साधना, तपस्या एवं ध्यान आदि क्रियाएँ सम्पन्न करना

5- विशिष्ट ज्ञान को प्राप्त करने में अधिक समय लगता है। यह कठिन होता है।

6- आध्यात्मिक ज्ञान का उपयोग आत्मा की शान्ति हेतु किया जाता है।

7- विशिष्ट ज्ञान में अनुभव, तर्क एव चिन्तन की प्रधानता दृष्टिगोचर होती है।

ज्ञान की विशेषताएँ -

ज्ञान की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित रूप से स्पष्ट की जाती हैं।

1- ज्ञान का सम्बन्ध चेतन से है। - ज्ञान का सम्बन्ध चेतन जगत से होता है ज्ञान के सम्बन्ध में चेतना की आवश्यकता होती है। पूर्ण रूप से विचार किया जाये तो ज्ञान मानव जीवन का एक अंग है। जानवरो के सम्बन्ध में ज्ञान को एक सीमा तक इस रूप में स्वीकार किया जाता है। अनेक अवसरों पर जानवरों को भी ज्ञान होता है। जैसे- आपस में प्रेम का प्रदर्शन करना, आपस में सम्प्रेषण स्थापित करना, खुश होकर जंगल में मधुर नृत्य करना, आदि,
दूसरे शब्दों में मानव में ज्ञान का स्तर उच्च श्रेणी का होता है। तथा जानवरों में ज्ञान निम्न श्रेणीयो का होता है। इस प्रकार मानव के ज्ञान का क्षेत्र व्यापक